भारत सरकार

संचार मंत्रालय

दूरसंचार विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 490

उत्तर देने की तारीख 21 नवंबर, 2019

उपभोक्ताओं का बीएसएनएल से निजी कंपनियों की ओर जाना

490. श्री राम नाथ ठाकुर:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा दी जा रही खराब सेवाओं से परेशान होकर उपभोक्ता सेवाओं के लिए निजी कंपनियों की ओर रुख कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इन कमियों को दूर करने का प्रयास कर रही है ताकि उपभोक्ताओं का विश्वास पुन: हासिल किया जा सके; और

(ग) देश में ग्रामीण स्तर पर इंटरनेट की सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बीएसएनएल की प्रस्तावित कार्य योजना का ब्यौरा क्या है और इस दिशा में अब तक राज्य-वार कितनी प्रगति हुई है?

उत्तर

संचार, विधि और न्याय, तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री रविशंकर प्रसाद)

(क) और (ख) भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने सूचित किया है कि बीएसएनएल में 'पोर्ट-इन' होने वाले उपभोक्ताओं की संख्या बीएसएनएल से 'पोर्ट-आउट' हुए उपभोक्ताओं की संख्या से अधिक है। वर्ष 2019-20 (अक्तूबर 2019 तक) के दौरान बीएसएनएल की एमएनपी (मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी) सकारात्मक है।

बीएसएनएल में एमएनपी की स्थिति		
	पोर्ट-आउट	पोर्ट-इन
दिनांक 31.03.2014 तक	43,83,988	30,73,524
वर्ष 2014-15 के दौरान	16,13,843	9,14,412
वर्ष 2015-16 के दौरान	17,81,002	2,031,668
वर्ष 2016-17 के दौरान	20,61,542	27,77,935
वर्ष 2017-18 के दौरान	34,96,128	41,32,600
वर्ष 2018-19 के दौरान	28,27,440	53,64,649
अक्तूबर 2019 तक संचयी	1,80,98,000	2,04,90,841

पिछले तीन वर्षों में और दिनांक 31.08.2019 तक बीएसएनएल के मोबाइल कनेक्शनों की वर्ष-वार संख्या निम्नानुसार है:

दिनांक जिसके अनुसार स्थिति दर्शाई गई है	बीएसएनएल के मोबाइल कनेक्शन (करोड़)
31.03.2017	10.14
31.03.2018	11.19
31.03.2019	11.57
31.08.2019	11.64

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) स्वयं द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सेवा गुणवत्ता विनियमों के रूप में निर्धारित किए गए विभिन्न सेवा गुणवत्ता (क्यूओएस) पैरामीटरों के बेंचमार्कों के आधार पर बीएसएनएल सहित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के कार्य-निष्पादन की निगरानी तिमाही कार्य-निष्पादन मॉनीटरिंग रिपोर्टों (पीएमआर) के माध्यम से करता है।

ट्राई द्वारा जारी मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही की पीएमआर के अनुसार, बीएसएनएल बेसिक (वायरलाइन) और ब्रॉडबैंड सेवाओं के सभी बेंचमार्कों को पूरा कर रहा है। बीएसएनएल, सेल्युलर मोबाइल टेलीफोन सेवा के लिए, केवल पश्चिम बंगाल सेवा क्षेत्र में "नेटवर्क सेवा गुणवत्ता डीसीआर स्थानिक वितरण मापदण्ड अथवा डीसीआर नेटवर्क_क्यूएसडी (90,90) (बेंचमार्क 2%)" और "नेटवर्क सेवा गुणवत्ता डीसीआर अस्थायी वितरण मापदंड अथवा डीसीआर नेटवर्क_क्यूटीडी (97,90) (बेंचमार्क $\leq$ 3%)" पैरामीटर छोड़कर, अपने सभी लाइसेंसशुदा सेवा क्षेत्रों (एलएसए) में सभी पैरामीटरों के बेंचमार्कों को पूरा कर रहा है।

(ग) बीएसएनएल ने सूचित किया है कि इसने इंटरनेट/ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों सहित अखिल भारत आधार पर बड़ी संख्या में वाई-फाई हॉट-स्पॉट/एक्सेस प्वांइट स्थापित करने की योजना बनाई है और इन्हें स्थापित भी किया है। बीएसएनएल ने कुछ सर्किलों में 4जी सेवाओं की भी शुरुआत कर दी है (जिसमें उच्च गति के नेटवर्क की क्षमता है)। दिनांक 31.05.2019 की स्थिति के अनुसार बीएसएनएल के कुल 5921 4जी बेस ट्रांसीवर स्टेशन (बीटीएस) कार्य कर रहे हैं। बीएसएनएल के 4जी बीटीएस और सार्वजनिक वाई-फाई हॉट-स्पॉटों का राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

अनुबंध

राज्य सभा के दिनांक 21.11.2019 के अतारांकित प्रश्न सं. †490 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

बीएसएनएल के सार्वजनिक वाई-फाई हॉट-स्पॉट और 4जी बीटीएस का ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/सर्किल	सार्वजनिक वाई-फाई हॉट-स्पॉट की संख्या	4जी बीटीएस की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	1492	259
2	असम	433	20
3	बिहार	746	166
4	छत्तीसगढ़	309	226
5	गुजरात	1535	844
6	हरियाणा	773	170
7	हिमाचल प्रदेश	665	74
8	झारखण्ड	174	0
9	जम्मू-कश्मीर	197	105
10	कर्नाटक	2027	261
11	केरल	1062	705
12	मध्य प्रदेश	1664	91
13	महाराष्ट्र (गोवा सहित)	3472	1092
14	पूर्वोत्तर क्षेत्र	194	192
15	ओडिशा	748	160
16	पंजाब	1187	362
17	राजस्थान	1257	0
18	तमिलनाडु	1278	337
19	तेलंगाना	901	282
20	उत्तरप्रदेश	1890	519
21	उत्तराखंड	280	56
22	पश्चिम बंगाल	844	0
	कुल	**23128**	**5921**

*****